के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2017 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–12

कार्यालय में प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन – 18 जनवरी, 2017

स्टाफ सदस्यों में राजभाषा के प्रचार–प्रसार, विविध विषयों से संबंधित सामान्य जानकारी को अद्यतन करने और हिन्दी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18 जनवरी, 2017 को किया गया। इस प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता में राजभाषा नियम, अधिनियम के साथ–साथ विधि, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, प्रशासन, वित्त तथा कला–विज्ञान–साहित्य से संबंधित प्रश्नों के अलावा सामान्य जानकारी–ज्ञान को भी शामिल किया गया। समस्त प्रभागों/विभागों से इच्छुक अधिकारियों/कर्मचारियों के नामांकन के बाद वैयक्तिक/ग्रुप आधार पर टीमों का गठन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता में कुल 20 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। सचिव महोदया, सुश्री शुभा शर्मा द्वारा श्रेष्ठ 05 प्रतिभागियों (श्री ए. वी. शुक्ला (वित्त) (प्रथम), श्री अंकित गुप्ता (आरई) (प्रथम), श्री सरबजीत सिंह (विनियामक मामले) (द्वितीय), श्री नीरज सिंह गौतम (विनियामक मामले) (तृतीय) और श्री राजीव कुमार (प्रशासन) (तृतीय) को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यालय में प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता में भाग लेते हुए अधिकारी/कर्मचारीगण

'कंप्यूटर हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनिकोड' – 16 फरवरी, 2017

दिनांक 16.02.2017 को हिंदी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूनिकोड) का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी स्तर के स्टाफ के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कुल 23 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ई–आर्यन सॉफ्टवेयर, नई दिल्ली से व्याख्यान/प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ को आमंत्रित किया गया।

कंप्यूटर प्रशिक्षण : कुछ झलकियां

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2017 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–I2

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक – 20 फरवरी, 2017

आयोग के स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की मार्च, 2017 को समाप्त तिमाही बैठक दिनांक 20.02.2017 को आयोग की सचिव एवं अध्यक्ष रा. भा.का.स. सुश्री शुभा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में सभी प्रभागों की पिछली तिमाही हिंदी प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। इस तिमाही बैठक में सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन और हिंदी के प्रचार प्रसार पर विशेष बल दिया गया। इस बैठक में पिछली तिमाही के दौरान हिंदी की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई।

चर्चा के दौरान विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया एवं निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाने का निर्देश दिया गया और यह भी रेखांकित किया गया कि कार्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम के दौरान सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

इस बैठक में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार–विमर्श

गीत संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह – 09 मार्च, 2017

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग परिसर में **गीत संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 09 मार्च, 2017** को किया गया। राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं समस्त स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों में साहित्यिक गीतों के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से इस आयोजन में प्रतिभागियों द्वारा प्रतिष्ठित कवियों/साहित्यकार/संस्कृति कर्मियों/गीतकारों एवं स्वरचित गीतों का पाठ किया गया।

इस कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया और सचिव महोदय द्वारा 'क्विज प्रतियोगिता' एवं 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के दौरान निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

गीत संध्या एव पुरस्कार वितरण समारोह : कुछ झलकियां

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2017 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–12

सुश्री शुभा शर्मा, सचिव का कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें भावभीनी विदाई

सुश्री शुभा शर्मा ने केविविआ में सचिव के पद पर दिनांक 19 मई, 2014 को कार्यभार ग्रहण किया और दिनांक 31 मार्च, 2017 को अपना कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें स्टाफ द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष श्री. गिरीश भा. प्रधान ने सचिव महोदया की उत्कृष्ट कार्यशैली और बेहतर कार्यनिष्पादन की प्रशंसा की। आयोग के सभी सदस्यों ने भी उनके अथक परिश्रम व प्रशासकीय नेतृत्व को रेखांकित किया और उनके सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर समस्त प्रभागों के प्रमुखों एवं विभिन्न स्तर के स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ कार्य के दौरान बिताए अविस्मरणीय क्षणों को सांझा किया। अंत में सुश्री शुभा शर्मा, सचिव महोदया ने अपने कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष एवं सभी सदस्यगण तथा समस्त स्टाफ के प्रति अपने हार्दिक उद्‌गार व्यक्त किए। इसके साथ सचिव महोदया ने समस्त सदस्यों को उनके सम्मान, सहयोग व आत्मीय व्यवहार के लिए धन्यवाद दिया।

विदाई समारोह में अध्यक्ष महोदय द्वारा सुश्री शुभा शर्मा, को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस विदाई समारोह का कुशल संचालन आयोग के डॉ. एस.के. चटर्जी, संयुक्त प्रमुख (वि.मा.) द्वारा किया गया।

सुश्री शुभा शर्मा, सचिव को भावभीनी विदाई : कुछ झलकियां

के वि वि आयोग
CERC

सौदामिनी

जनवरी – मार्च, 2017 | केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग | खण्ड–I अंक–12

चिन्तनपरक लेख

चिन्ता नहीं, चिन्तन करें

चिन्ता मनुष्य जीवन की एक सहज स्वाभाविक वृत्ति है। चिन्ता व्यक्ति के जीवन में इस तरह घुली मिली रहती है कि व्यक्ति को किसी तरह पूर्णतया मुक्त नहीं होने देती। यह भी एक तथ्य है कि चिन्ता उस हद तक सही ओर सकारात्मक भी है जिस हद तक वह हमें अपने कर्त्तव्य व लक्ष्य के प्रति समुचित कर्म के लिए प्रेरित करती हो। लेकिन यही चिन्ता जब रोग बन जाए और हमारी चेतना को इतना जड़ व कुंद बना दे तो हमारी सारी ऊर्जा नष्ट होने लगती है और हमारे जीवन के विकास को अवरुद्ध करती है।

अपने कैरियर व भविष्य के प्रति सजगता के कारण चिन्ता का आना स्वाभाविक है। आवश्यकता है कि हम चिन्ता से बंधने के बजाय उसके कारणों को अपने व्यापक चिन्तन से विश्लेषित करें। इस तथ्य को यूं भी समझ सकते हैं कि अविश्वास, संशय, अकर्मण्यता तथा अनिश्चितता से उत्पन्न चिन्ता को हम अपने स्वाध्याय, परिश्रम, निष्ठा, एकाग्रता से और समुचित चिन्तन–मनन से न कवेल अपने से दूर कर सकते हैं बल्कि अपने जीवन दर्शन को ठोस व निश्चित दिशा भी दे सकते हैं। चिन्ता निरर्थक सोच–विचार व अस्पष्ट काल्पनिक समस्याओं से उपजती हैं और स्पष्ट दिशा बोध के अभाव में हमारी क्षमताओं व ऊर्जा का नाश करती है। इसके ठीक विपरीत हम अपनी चिन्ता के मूल कारणों को वस्तुपरक तथा तर्कसंगत आधार से विश्लेषित करते हुए एक तरफ निरर्थक चिन्ता के घेरे से मुक्त हो सकते हैं बल्कि अपनी उसी व्यर्थ में जाती उर्जा का अपनी कर्म शीलता में सकारात्मक उपयोग भी कर सकते हैं।

किसी महापुरुष का कथन है ''चिन्ता सजीव को जलाती है जबकि चिता निर्जीव को'' अर्थात् जिस प्रकार ईंधन से अग्नि बढ़ती है ठीक उसी तरह एक ही दिशा में एक ही तरह से निरंतर सोचने से चिन्ता बढ़ती है। इसलिए जरूरी है कि हम विधायक व सकारात्मक सोच को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करें! परिणाम से पहले प्रवृत्ति पर ध्यान देने को महत्व दें। प्रवृत्ति यदि सही है तो परिणाम गलत हो ही नहीं सकता। जबकि वैयक्तिक चिन्ता को व्यापक जीवन दर्शन से जोड़कर देखने की आकांक्षा या पहल उसे चिन्तन में बदल देती है! तब स्वार्थपरता, संकीर्णता, क्षुद्रता व एकांगी दृष्टिकोण नष्ट होने लगता है और हमारे सामने जीवन के व्यापक अर्थ खुलने लगते हैं।

हमें यह समझ लेना जरूरी है कि जो हमारे हाथ में है उसका समुचित उपयोग करने में ढील न बरते! इसके साथ ही संभावित परिणामों–दुष्परिणामों की चिन्ता न करते हुए अपने कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान बने रहें! जब हम जान लेते हैं कि परिणाम को निर्धारित करने वाले घटकों या कारणों पर हमारा काई वश या नियंत्रण नहीं तो हम उसकी चिन्ता में क्यूं घुले। यह हमारा चिन्तन ही होता है जो हमें भविष्य की चिन्ता में घुलने के बजाय वर्तमान का सही उपयोग करना सिखाता है। चिन्ता हमे अपने से बाहर ले जाती है और चिन्तन हमारी सकारात्मक शक्तियों को विकसित करते हुए कठिनाइयों व समस्याओं से जुझने की ताकत देता है। सच तो यह है कि हमारा स्वास्थ्य काम करने से नहीं बल्कि व्यर्थ की चिन्ता करने से खराब होता है! चिन्ता भय को जन्म देती है तो चिन्तन उससे मुक्ति का मार्ग सुझाता है। चिन्ता हमारी कार्यकुशलता व कार्यक्षमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है जबकि चिन्तन हममें स्फूर्ति, उत्साह, उमंग व प्रसन्न्ता का भाव उत्पन्न करता है। चिन्ता काम को बिगाड़ देती है तो चिन्तन बिगड़े काम को बना देने की अद्भुत शक्ति रखता है। चिन्तनशील बने फिर देखें चिन्ता खुद–ब–खुद दूर होती जाएगी।

राजेन्द्र सहगल
राजभाषा अधिकारी

संरक्षक
ए.के.सिंघल
सदस्य

www.cercind.gov.in

संपादक मंडल
शुभा शर्मा, सचिव
पी. राममूर्ति, सहायक सचिव
कमल किशोर, सहायक प्रमुख
राजेन्द्र सहगल, राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली–110001
Email : info@cercind.gov.in